

15 1/26

पनापनी पेक्षा इति अधिकतः उपलब्ध है
 वादीपुत्रि ओर से अधिकतः कारुण्य
 मोक्षद्वारा प्राप्ति पर आभा विद्ये
 कार्यवाही का उत्तुल्य क्व विवेक । विद्यु
 वि वादीपुत्र उक्त उक्तानु उक्तानु से
 अपनी ओर से आगे अन्य कार्यवाही
 नहीं कराना चाहती है । बाद पर को
 इसी हतर पर विद्ये कर कार्यवाही
 क्व कराना चाहती है । वादीपुत्र को
 उक्त उक्तानु उक्तानु को अधिकतः से
 पुनः पेक्षा करने वि अधिकतः को बुद्धि
 रखते इसे विद्ये की अनुमति दिला
 जाय उक्तानु की कार्यवाही इसी हतर
 पर क्व कराना जाय उक्तानु को
 रक्षित परमात्मा जाने की विवेक । विद्यु
 वादीपुत्र अधिकतः को जा पर पुनः
 गता पनापनी का अय लोपुत्र विद्यु गता
 वादीपुत्र द्वारा उक्तानु से आगे कार्यवाही
 नहीं चाहने से उक्तानु को अधिकतः
 से पुनः पेक्षा करने वि अधिकतः को

सुरक्षित रखते हुये उजरत को छोड़
दिया जाना उचित है।

आज कारीगर की ओर से आगत
आफ का छोड़े कारीगरी का हकीकत
दिया जाकर कारीगर उजरत में आगे
कोई कारीगरी नहीं करने पर कारीगर
को उजरत उन्फान उजरत में पुन फेर
करने से अधिकार को सुरक्षित रखते
हुये उजरत में इसी हल पर आगे
की कारीगरी अन्द की जाकर उजरत
रखीत दिया जाना है। पामपत्ती
दोस्त शुभा दीपु नम्पा ले कर ले।

(Handwritten signature)

ज्जायक कलामपु
(सप्ली.को.पुवुड)